



Ancient Vedic Mantras and Rituals





Gita Jayanti 2025 | भगवान श्री कृष्ण के उपदेशों का अमृत | PDF

गीता जयंती एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है जो **भगवद गीता** के जन्म का उत्सव है, जो हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथों में से एक है। भगवद गीता 700 श्लोकों वाली एक पवित्र पुस्तक है जो महाभारत के भीष्म पर्व का हिस्सा है, जिसमें भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र के युद्ध भूमि पर दिव्य ज्ञान दिया था। गीता जयंती हर साल उस दिन मनाई जाती है जब भगवान श्री कृष्ण ने गीता के उपदेश दिए थे।

गीता जयंती की तिथि

वर्ष 2025 में गीता जयंती **1 दिसंबर** को है।

पंचांग के अनुसार हर साल मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को गीता जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष 1 दिसंबर को गीता की **5162वीं** जयंती मनाई जाएगी। इसी दिन को मोक्षदा एकादशी भी कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को इसी दिन गीता का ज्ञान दिया था।



इतिहास और महत्व

भगवद गीता का संवाद भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच हुआ था, जब अर्जुन युद्ध में भाग लेने को लेकर मानसिक रूप से असमंजस में थे। अर्जुन ने श्री कृष्ण से मार्गदर्शन मांगा, और श्री कृष्ण ने उन्हें धर्म, कर्म, भक्ति, आत्मा, और जीवन के उद्देश्य पर गीता के श्लोकों के माध्यम से उपदेश दिया। गीता के उपदेशों में भगवान श्री कृष्ण ने जीवन के उच्चतम उद्देश्य, कर्म की शक्ति, और भक्ति का महत्व बताया।

भगवद गीता का अध्ययन न केवल धर्म के सिद्धांतों को समझने में मदद करता है, बल्कि यह मनुष्य को अपने जीवन में सही दिशा, उद्देश्य, और संतुलन प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।

गीता जयंती का महत्व

- ज्ञान की जयंती:** गीता जयंती उस दिन का प्रतीक है जब भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को दिव्य ज्ञान दिया था, जो आज भी दुनिया भर में लोगों को प्रेरित करता है।
- आध्यात्मिक उन्नति:** इस दिन को आत्म-निर्माण, साधना, और ध्यान का दिन माना जाता है। गीता के श्लोकों का श्रवण और मनन करने से मानसिक शांति और आंतरिक उन्नति होती है।
- धर्म का पालन:** गीता जयंती एक अवसर है जब भक्त भगवान श्री कृष्ण से सीखते हैं कि कैसे अपने कर्मों को निष्ठा और भक्ति से करना चाहिए।



गीता जयंती पर पूजा विधि

1. **स्नान और शुद्धता:** गीता जयंती के दिन स्नान करके शरीर और मन को शुद्ध करना महत्वपूर्ण है।
2. **भगवान श्री कृष्ण की पूजा:** पूजा स्थल पर भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति या चित्र स्थापित करें और उनका पूजन करें।
3. **भगवद् गीता का पाठ:** गीता जयंती पर भगवद् गीता का पाठ करना अत्यधिक पुण्यकारी माना जाता है। विशेष रूप से गीता के श्लोकों का उच्चारण किया जाता है।
4. **राम रक्षा स्तोत्र और गीता स्तोत्र का पाठ:** राम रक्षा स्तोत्र और गीता स्तोत्र का पाठ करके भगवान श्री कृष्ण की कृपा प्राप्त करने की प्रार्थना करें।
5. **दान और पुण्य कार्य:** गीता जयंती पर दान देना और गरीबों की मदद करना पुण्य कार्य माना जाता है। आप दान में मिठाइयाँ, फल, या अन्य उपयोगी वस्तुएं दे सकते हैं।
6. **सत्संग और भजन:** गीता जयंती पर समाज में भजन कीर्तन, satsang (धार्मिक सभा) का आयोजन किया जाता है जिसमें गीता के उपदेशों पर चर्चा होती है।

गीता जयंती के लाभ



1. **आध्यात्मिक जागृति:** गीता जयंती पर गीता के श्लोकों का पाठ करने से आत्मिक जागृति होती है और व्यक्ति को जीवन के उद्देश्य को समझने में मदद मिलती है।
2. **मानसिक शांति:** गीता के उपदेशों पर चिंतन करने से मानसिक शांति और तनाव कम होता है।
3. **धर्म और कर्तव्य का पालन:** गीता जयंती पर व्यक्ति धर्म, कर्तव्य, और भक्ति के मार्ग पर चलने का संकल्प लेता है।
4. **जीवन में सफलता:** गीता के उपदेशों को अपनाकर जीवन में सफलता, समृद्धि, और संतुलन प्राप्त होता है।

गीता जयंती एक महत्वपूर्ण पर्व है जो भगवान श्री कृष्ण के अद्भुत ज्ञान और उपदेशों का उत्सव है। इस दिन का उद्देश्य न केवल भगवद गीता का सम्मान करना है, बल्कि इसके द्वारा दी गई शिक्षाओं को जीवन में उतारना भी है। गीता जयंती के दिन भगवान श्री कृष्ण के उपदेशों का श्रवण और मनन करने से जीवन में शांति, संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

Related Article



[श्री कृष्ण स्तोत्र](#)



[श्री कृष्ण चालीसा](#)



THANKS FOR READING



READ MORE RELIGIOUS
CONTENT ON



vedicprayers.com

